Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, MAY-JUNE, 2021, VOL- 8/65

समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन का प्रस्तुतिकरण एवं प्रभाव

धरवेश कठेरिया[1] & टीना राज[2]
[1]एसोसिएट प्रोफेसर, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।
[2]पीएच.डी. शोधार्थी, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।

Abstract

टेलीविज़न, जिसे दृश्य-श्रव्य रूप का सशक्त माध्यम कहा जाता है जो आम ज़िन्दगी में घटित घटनाओं से जनता को अवगत कराती है। चूंकि टेलीविज़न दृश्य-श्रव्य दोनों ही रूप में होता है जिसके कारण मानव मस्तिष्क पर इसका बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ता है। पूरे दिन के कार्यक्रमों में इन समाचार चैनलों का मुख्य कार्य खबरों को विस्तार से प्रसारित करना है। प्रति दिन शाम को पूरे दिन की खबरों को बहुत ही कम समय में जनता के सम्मुख प्रस्तुत करने की प्रत्येक चैनल की अपनी-अपनी रणनीति होती है। इसी रणनीति के आधार पर पाँच चैनलों (आजतक, इंडिया टीवी, न्यूज़ 24, ज़ी न्यूज़, एबीपी न्यूज़) पर शाम को प्रसारित की जा रही दिन भर की सौ खबरें/खबर शतक आदि के नाम से चलने वाले स्पीड बुलेटिन के शोध अध्ययन में पाया गया कि वास्तव में इन खबरों में 100 के आंकड़े तो होते ही नहीं हैं। इनमें एक ही समाचार को कई भागों दिखाया गया है व कई समाचारों में एक ही दृश्य को बार-बार दिखाया गया है। दिन भर की सौ खबर के बुलेटिन का प्रसारण का उद्देश्य कम समय में आम-जन को सभी खबरों से अवगत कराना है परंतु खबरों के शतक पूरे करने की होड और एक ही खबर को कई बार दिखाने से समाचार की विश्वसनीयता कम हो जाती है एवं बुलेटिन उबाऊ होने लगते हैं।

शब्द कुंजी: *बुलेटिन, समाचार, विश्वसनीयता, फटाफट खबरें, स्पीड न्यूज़, प्रस्तुतिकरण ।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

शोध के उद्देश्य: प्रस्तुत शोध "समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन का प्रस्तुतिकरण एवं प्रभाव" का उद्देश्य निम्न है-

- समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन की प्रस्तुतीकरण एवं आम-जन पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना।
- स्पीड समाचार बुलेटिन में प्रस्तुत की गई खबरों का विश्लेषण एवं अध्ययन करना।

अध्ययन की सीमाएं:

प्रस्तुत शोध विषय "समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन का प्रस्तुतिकरण एवं प्रभाव" में आजतक, इंडिया टीवी, न्यूज़ 24, ज़ी न्यूज़, एबीपी न्यूज़ इन पांच चैनलों का चयन किया गया है जिसमें 7 जुलाई 2021 कैबिनेट 2.0 तथा 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को प्रस्तुत किए गए स्पीड न्यूज़ बुलेटिन की ख़बरों का विश्लेषण किया गया है। इन समाचार बुलेटिन में शाम की खबर शतक/दिन भर की सौ खबरें आदि जैसी स्पीड बुलेटिन को शामिल किया गया है।

शोध प्रविधि:

प्रस्तुत शोध "समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन का प्रस्तुतिकरण एवं प्रभाव" में समाचार बुलेटिन को आधार बनाया गया है। इसमें गुणात्मक तथा मात्रात्मक शोध विधि अपनाई गई है तथा द्वितीयक आंकडों का प्रयोग किया गया है। इसमें पाँच चैनलों के दस समाचार बुलेटिनों का अध्ययन कर उसका वर्णन किया गया है, जिसमें वर्णात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि का भी प्रयोग किया गया है।

प्रस्तावना:

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विश्व में घटित घटनाओं को जानना होता है तो हमारे मस्तिष्क में सीधा मीडिया का नाम आता है तब टीवी की नैतिकता पर सवाल आते है कि किस प्रकार का प्रसारण कर मीडिया ख़बरों को आम जनता के बीच में रखती है। दिन भर की ख़बरों को एक कहानी के रूप में लोगों के समक्ष परोसती है।
पांच समाचार चैनलों को आधार बना कर चर्चा इस शोध पत्र में की गई है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और कैबिनेट 2.0 की ख़बरों के प्राइमटाइम बुलेटिन को "सौ ख़बरें फटाफट" में शाम की प्रस्तुत ख़बरों का विश्लेषण इसमें किया गया है जिसमें देश दुनिया में घटित घटनाओं को खबर के माध्यम से लोगों के बीच रखा जाता है उसी प्रकार सौ ख़बरों के बुलेटिन में कितनी ख़बरें एक दूसरे से भिन्न रहती है, तथा सौ ख़बरें बोल कर कितनी ख़बरों की प्रस्तुति रहती है, दृश्य श्रव्य माध्यम के लिए हम टेलेविज़न का प्रयोग करते है, दिन भर की ख़बरें जाननी हो तो हम शाम का बुलेटिन देखते है जिसमें सुबह से शाम तक की खबरें सम्मिलित रहती है जिससे श्रोताओं को सुविधा हो जाती है सभी ख़बरें एक ही जगह आपको मिल जाती है इधर उधर समाचार देखने जाने की आवश्यकता नहीं होती है ठीक उसी प्रकार इस शोध पत्र में बुलेटिनों का अध्ययन किया गया है।

शोध में सम्मिलित पांच न्यूज़ चैनल- आजतक, इंडिया टीवी, न्यूज़ 24, ज़ी न्यूज़, एबीपी न्यूज़।

आजतक, 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
ख़बर विवरण
सर्वप्रथम, बुलेटिन की शुरुवात 2016 में आजतक ने की थी जिसमें सभी ख़बरों को समकक्ष रख प्रस्तुत किया जाता है आजतक में बुलेटिन को देश दुनिया की सौ ख़बरें, सौ शहर-सौ ख़बरें, नॉनस्टॉप 100: अभी तक की बड़ी ख़बरों के नाम से जाना जाता है।
दिनभर की ख़बरों को बुलेटिन के रूप में प्रसारण किया जाता है जैसे अध्ययन के लिए दो दिनों का चुनाव किया गया है उसमें यदि 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की चर्चा की, तो (नॉनस्टॉप 100: अभी तक की बड़ी ख़बरों) के बुलेटिन में 1-5 तक की ख़बरों में धर्मान्तरण के बारे में बताया जिसमें जामिया नगर का एक हिन्दू धर्म परिवर्तन के पश्चात मुख बधिर स्कूल के बच्चों का धर्मान्तरण कराता था, 6-7 यू.पी. राज्य की ख़बरें, 8-10,15,16-19 इस दिन 18 वर्ष से ऊपर वाले युवाओं के लिए मुफ्त टीकाकरण की शुरुआत की गई थी। इस एक खबर को निम्न चरणों में विभक्त किया गया जबकि टीकाकरण की ख़बर को निरंतर दिखाया जा सकता था,11-14 में कोरोना के सुस्त होते मामलों पर बताया गया। 20 यू.पी. राज्य पर आधारित ख़बर थी 21-25 तक केजरीवाल के पंजाब दौरे पर ख़बरों को रखा गया था 26-28 इसमें राज्यों की मिली जुली ख़बरें थी 29-30 किसान आंदोलन आधारित ख़बरें थी 31-35 जम्मू के परिसीमन सम्बंधित ख़बरें थी तथा योग दिवस के उपलक्ष में 36-66 ख़बरें योग आधारित थी जिसमें कहाँ-कहाँ किसके द्वारा योग दिवस मनाया गया है 69-70 बिहार बाढ़ पर नज़र डाली गई।

71-75 तक कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के बारे में बताया गया। 76-79 में छपरा में बारिश से कहर। इस बुलेटिन में 80 ही ख़बरें थी परन्तु बुलेटिन की संख्या वही रही।

ख़बर विश्लेषण

ख़बरों का विश्लेषण विषयवस्तु और दृश्य श्रव्य प्रस्तुति पर किया गया है। आजतक बुलेटिन जिसके शुरूआत की पांच ख़बरें धर्मान्तरण आधारित थी, एक खबर को पांच टुकड़ों में बाँट कर दिखाया गया। 6,7 और 20 इन ख़बरों में यू.पी. केंद्रित था, इसमें ख़बरों को एक ही दृश्य के आधार पर परोसा गया। 8,9,10,15,16-19 टीकाकरण पर थी सभी ख़बरों का एक ही शीर्षक देकर उसे प्रस्तुत किया जा सकता था तत्पश्चात 21-25 तक की ख़बरें केजरीवाल के पंजाब दौरे पर थी जिसमें शीर्षकों को बदल बदल के ख़बरों को श्रोताओं के समक्ष रखा गया। 26-28 यह तीन ख़बरें अलग-अलग मुद्दों को छूती नज़र आई। 29-30 यह दोनों खबरें किसान आंदोलन की बाते बयां करते दिखी, जबकि सभी समाचारों का उद्देश्य एक ही था। 31-35 में कश्मीर के परिसीमन विवाद को लेकर ख़बरें थी एक ही खबर के टुकड़ें कर दिखाए गए है 36-66 लगभग 30 के करीब ख़बरें योग दिवस के उपलक्ष में थी। जिसमें अलग अलग शहरों का उल्लेख था कि कहाँ मनाया गया है किस के द्वारा। समाचारों व चित्रों में इतनी विविधता देखने को नहीं मिली। 67-70,76-79 बिहार में आई बाढ़ को निम्न ख़बरों में विभक्त कर उसे दिखाया गया। 71-75 इसमें कोरोना की घटती रफ़्तार के बारें में बताया है। परन्तु ख़बरों में विविधता न मिलने के कारण, समाचारों का महत्व कम हो जाता है। निष्कर्ष के तौर पर देखें तो अंत में 20-25 ख़बरें देश की निकल आती है जिसे आंकड़े का नाम दे दिया जाता है।

आजतक, 7 जुलाई 2021, कैबिनेट 2.0

ख़बर विवरण

यह इतिहास में पहली बार हुआ जिसमें सरकार के चलते हुए मंत्रियों को बदला गया। जिसे कैबिनेट 2.0 से हमने जानने की कोशिश की। जैसे 1-16, में नए मंत्रियों का वर्णन किया गया है 17-30, में दिए गए मंत्रियों के इस्तीफ़े पर चर्चा की गई। 31 एवं 47, में अस्थाई शिक्षकों द्वारा प्रदर्शन। 32-33 किसानों द्वारा कानून पर बातचीत। 34-37, जम्मू परिसीमन पर नज़र डाली गई। 38- 39, में नितीश सरकार के ऊपर बयान दिया गया। 40, में किसान यूनियन के बारे में बताया गया। 41- 46 तक अलग अलग राज्यों की घटनाओं का विस्तार किया। 47- 69 तक देश के अलग अलग राज्यों की वारदातों का उल्लेख किया गया। 70 में गिरते निफ़्टी बाज़ार पर नज़र डाली गई तथा 71वी खबर कोरोना के घटते मामलों की जानकारी दी, 72वी खबर डिजिटल मोनोपॉली पर आधारित थी 73वी खबर में घटते घरेलु विमान की दर को बताया गया। 74-74 में ई-कॉमर्स कम्पनियो में किस प्रकार कार्य हो रहा है व 76वी खबर में देशवासियों के बदलते बचत निवेश के मिज़ाज़ के बारे में बताया। 77-80 में ऑटोमोबाइल के बारे में बताया। 81-83, उत्तराखंड में बढ़ती सैलानियों की भीड़, 84-86 देश भर में खेल कूद के बारे में दिखाया और 86-100 तक अंतर्राष्ट्रीय ख़बरों पर नज़र बनाई रखी।

ख़बर विश्लेषण

7 जुलाई, के बुलेटिन की प्रारम्भ की 16 ख़बरों में यह बताया गया की कौन सा मंत्रालय कौन से मंत्री को दिया गया है 17-30, मतलब 13 ख़बरें मंत्रियों द्वारा दिए गए इस्तीफों को दिखाया व बताया गया। ख़बरों में विविधता तथा दृश्य में भी बदलाव देखने को बहुत कम मिले पर ख़बरों का क्रम लगातार बढ़ता जाता है 31वी ख़बर में कानपूर में लोगों द्वारा लगाए जाम का उल्लेख किया। 32-33,40 की ख़बर में बैठे किसानों ने हंगामा किया एक जैसी तस्वीरों के साथ ख़बरों को रखा जाता है 34-37 की ख़बरों में परिसीमन आयोग की चर्चा की गई। चारों ख़बरों में एक सी वस्तुएं देखने को मिली। 38-39 इन दोनों ख़बरों में नितीश सरकार की बात की गई। 41-69 इन सभी ख़बरों में अलग-अलग शहरों का उल्लेख किया गया। उसमें शहरों में हुई वारदातों का वर्णन किया गया। व इसमें दृश्य श्रव्य में विविधता देखने को भी मिली। 70वी ख़बर में निफ़्टी के गिरते बाज़ार को दिखाया। 70-80 तक की ख़बरों में ऑटोमोबाइल की सेवाओं में घटत बढ़त को दिखाया गया और कौन सी नई वस्तुएं बाजार में आ रही है।

81-84 ख़बरें उत्तराखंड सैलानियों पर आधारित थी। जो कोरोना के भीतर अचानक पर्यटकों का जमावड़ा पहाड़ों में देखने को मिला। 85वी ख़बर में अंतर्राष्ट्रीय खेल के बारे में बताया गया। 86-100 तक की ख़बरें विदेशों में हो रही गतिविधियों को दिखाया व बताया गया। यदि इस बुलेटिन को देखें तो 40-50 ख़बरें निकल कर आई है।

इंडिया टीवी

इंडिया टीवी पर सुबह के बुलेटिन को "आज सुबह की 100 बड़ी ख़बरें" और शाम के बुलेटिन को "आज दिनभर की 100 ख़बरें फटाफट" के नाम से जाना जाता है, दिनभर की देश में घटित घटनाओं को संक्षिप्त रूप में जनता के समक्ष परोसा जाता है।

इंडिया टीवी, 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

ख़बर विवरण

बुलेटिन के प्रारम्भ में 1-5 तक पवार सरकार पर तंज कस्ते नज़र आये। 6-11 में केजरीवाल सरकार के पंजाब दौरे पर बताया गया, 12-19 देश के अलग-अलग राज्यों पर ख़बर दी गई। 20वी खबर किसान आधारित थी। 21-26 में मौलवी द्वारा हिन्दू बच्चों का धर्मान्तरण। 27-31 कश्मीर परिसीमन पर नज़र डाली गई। 32-64 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कहाँ-कहाँ मनाया गया उसके बारे में बताया गया। 65-67 में बिहार बाढ़ पर बात की गई। 68-75 में इस दिन 18 वर्ष से ऊपर वाले युवाओं के लिए मुफ्त टीकाकरण की शुरुवात की गई है। 76-86 राज्यों की वारदातों का उल्लेख किया गया। 87-90 में देश की राजधानी पर नज़र डाली गई। 91-100 में अंतर्राष्ट्रीय ख़बरों का वर्णन किया गया।

खबर विश्लेषण

इस बुलेटिन में 1-5 तक की ख़बरें पवार सरकार पर थी। एक ही खबर को अलग कर दिखाया गया। 6-11 तक की खबर में केजरीवाल के पंजाब दौरे पर थी जो चुनाव को लेकर वह पंजाब गए थे। वहां के प्रतिनिधि मिल कर किस प्रकार चुनाव की रणनीति पर बात की। एक सी ख़बरों को ही चार से पांच ख़बरों में बाँट कर दिखाया जाता है 12-19 तक की ख़बरें अलग अलग राज्यों की घटनाओं का वर्णन करती दिखी। इस प्रकार के समाचारों में विविधता देखने को मिलती है क्योंकि अलग-अलग राज्यों की बात होने से विषयवस्तु और दृश्य-श्रव्य समानता नहीं दिखती। 20वी ख़बर में किसान के चलते लम्बे प्रदर्शन को बताया गया कि आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। 21-26 तक की खबर में मौलवी द्वारा हिन्दू बच्चों का धर्मान्तरण कराया। इन पांच ख़बरों में बच्चों को कैसे बहलाया फुसलाया गया यह बताया गया तथा इसमें विदेशों से फंडिंग बताई गई। 26-31 तक की खबर में कश्मीर के परिसीमन पर चलती चर्चा का उल्लेख किया। पांचो ख़बरों व दृश्यों में समानता दिखी। 32-64 में योग दिवस के उपलक्ष में कहाँ-कहाँ योग किया गया। इसमें अलग-अलग शहर और मंत्रियों द्वारा किये गए योग को बताया परन्तु 32 ख़बरों के नाम पर केवल 15-18 ही ख़बरें निकल कर आई। 65-67 में बिहार बाढ़ पर किए गए दौरे पर नितीश सरकार के बारे में बताया गया कि हेलीकॉप्टर में बैठ ब्योरा लिया गया। 68-75 में देश में बढ़ते टीकाकरण को केंद्रित किया गया। जिसमें अलग अलग राज्यों को दिखाया गया कि कहाँ-कहाँ पर कितने प्रतिशत टीकाकरण हो चूका है 75-86 तक की ख़बरों में देश के विभिन्न राज्य केंद्रित थे, इन ग्यारह ख़बरों में देश प्रदेश की महत्वपूर्ण खबरें रखी गई। 87-90 तक की खबरें देश की राजधानी में होती वारदातों पर थी। तथा 91-100 तक की खबरें अंतर्राष्ट्रीय समाचारों पर आधारित थे। 100 के आंकड़ें पर कुल ख़बरें 40-45 थी जबकि "आज दिनभर की 100 ख़बरें फटाफट" के आधार पर अंक के तौर पर 100 का आंकड़ा पूरा करते है।

इंडिया टीवी, 7 जुलाई 2021, कैबिनेट 2.0

ख़बर विवरण

बुलेटिन की 1-16 तक की ख़बरों में नियुक्त मंत्रियों का वर्णन किया गया। 17-26 में दिए गए मंत्रियों के इस्तीफ़े पर चर्चा की गई। 27-34 तक की ख़बरों में बिहार, महाराष्ट्र सरकार में किए गए बदलावों को बताया गया। 35-36 तक में ट्विटर मामलें में सुनवाई टली। 27-40 तक की खबर में देश के अलग-अलग हिस्सों पर नज़र डाली गयी। 41-47

तक दिलीप कुमार जी की श्रद्धांजलि पर खबर दी गई। 48-50 तक में दिल्ली में हुई वारदातों का बताया गया। 51-52 में पुलिस मुढभेड़ , 53-55 कश्मीर मामला, 56-57 बिहार में बाढ़ के दौरे पर नितीश, 58-त्रिपुरा, 59- तेलंगाना और 60-74 में देश के विभिन्न राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों का ज़िक्र किया गया। 75-76 उत्तराखंड में बढ़ते सैलानियों पर हाई कोर्ट ने माँगा जवाब। 77-86 विदेश में बढ़ते लॉकडाउन के बारे में जानकारी दी गई। 87-88 नाइजीरिया में बच्चों की सलामती की दुआएं मांगी गयी। 89- रूस विमान क्रैश की सूचना दी गई। 90-91 मार्च से फसा स्वेज़ नहर में फसा मालवाहक उसे अब छोड़ा गया। 92-99 देश में बढ़ती महंगाई का अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन। 100 ओलिंपिक में लेंगे भाग।

खबर विश्लेषण

विषयवस्तु की बात करे तो 1-16 तक की खबर में नियुक्त मंत्रियों का वर्णन किया गया और कौन से मंत्रियों को कौन-कौन से मंत्रालय मिलें। परन्तु दृश्यों में अधिक भिन्नता देखने को नहीं मिली। 17-26 तक की खबरें भी मंत्रालय आधारित थी पर इसमें मंत्रियों द्वारा दिए गए इस्तीफों का उल्लेख किया गया। 27-34 तक की ख़बरें भी सरकारों की चर्चा ही करते नज़र आई। बिहार और महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए बदलावों को इन ख़बरों में देखा गया। 35-36 की ख़बरों में ट्विटर पर हुए विवाद को दिखाया गया। 37-40 की ख़बरों में तरह-तरह की खबरों का विवरण था 41-47 में, दिलीप कुमार जी को दी गई श्रद्धांजलि की चर्चा की गई। कहाँ-कहाँ श्रद्धांजलि का आयोजन किया गया था। 48-50 में दिल्ली में हुई वारदात की गुत्थी को पुलिस द्वारा सुलझाया गया। और 51-52 में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ को दिखाया गया। एक खबर को विभक्त कर प्रस्तुत किया गया है 53-55 में कश्मीर परिसीमन विवाद बताया। परन्तु एक खबर को ही तीन-तीन भाग में कर के परोसा जाता है 56-57 में बाढ़ दौरा पर नज़र डाली गई। 58-59 में त्रिपुरा और तेलंगाना की खबरों का वर्णन किया। 60-74 तक की ख़बरें कोरोना केंद्रित थी इसमें टीकाकरण और बढ़ते कोरोना के मामलों का उल्लेख किया गया। 75-76 में बढ़ते उत्तराखंड में पर्यटकों का वर्णन किया गया तथा इस पर उत्तराखंड सरकार से कोरोना के टूटते नियमों पर जवाब माँगा। 77-88 विदेशों के अलग-अलग शहरों में बढ़ते लॉकडाउन पर नज़र डाली गई। 89वी खबर में रूस विमान क्रैश का बताया गया। 90-91 में बताया गया जो मालवाहक मार्च माह से स्वेज़ नहर में रोक रखा था उसे अब छोड़ा गया। 92-99 में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर शहरों में प्रदर्शन किया गया। 100वी खबर में ओलंपिक के बारे में बताया गया। ख़बरों के मायने वही रहते है परन्तु अंकों को बढ़ा कर आंकड़ें छूने का उद्देश्य न्यूज़ चैनलों का रहता है।

एबीपी, 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

ख़बर विवरण

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के साथ इस दिन 18 वर्ष से ऊपर वाले युवाओं के लिए मुफ्त टीकाकरण की शुरुआत की गई है 1-10 तक युवाओं के टीकाकरण पर आधारित है 11-14 कोरोना के टीकों की कमी, 15-16 नकली इंजेक्शन लगाए गए। 17-23 तक आयोध्या बैठक पर चर्चा। 24-28 महाराष्ट्र में शिवसेना का बदलता रुख। 29-30 में पंजाब चुनाव का उल्लेख किया गया। 31-54 मोदी जी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर देश को संबोधित किया और योग के लिए प्रेरित किया। 55-58 सरकार की बैठक और 59-63 चुनाव पर चर्चा की गई। 64-69 अलग-अलग शहरों पर नज़र डाली गई। 70 किसान आंदोलन पर नज़र रखी गई। 71-80 देश के राज्यों की वारदातों को बताया गया। 81-90 बिहार बाढ़ पर नीतीश दौरा। 91-95 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर नज़र डाली गई।

खबर विश्लेषण

ख़बरों में 1-10 तक टीकाकरण को केंद्रित रखा क्योंकि 21 जून 2021 से 18 वर्ष से ऊपर वाले आयु वर्ग के लिए मुफ्त टीकाकरण इसी दिन से शुरू हुआ था 11-14 तक की खबरों में देश के अलग-अलग शहरों में बढ़ते कोरोना कर्फ्यू का वर्णन किया गया। 15-16 खबर में कोरोना के नकली टीकों का उल्लेख किया गया। 17-23 में अयोध्या बैठक पर ध्यान दिया गया। 24-28 में शिवसेना सरकार की उथल-पुथल पर चर्चा की। 29-30 केजरीवाल द्वारा

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

पंजाब दौरे पर खबर दी गई। 31-54 में मोदी सरकार ने योग दिवस पर देश को सम्बोधित किया। 55-63 की खबरों में केजरीवाल द्वारा पंजाब चुनाव पर दौरा किया गया। 64-69,71-80 में देश के अलग-अलग शहरों पर ख़बरें केंद्रित थी 70वी खबर में किसान आंदोलन को जारी रखने को कहा गया है 81-90 में बिहार बाढ़ का उल्लेख किया गया। 91-95 तक अंतर्राष्ट्रीय खेल पर नज़र डाली गई। दृश्यों में बिना बदलाव के खबरों को चला दिया जाता है किसी एक खबर के सिरे को पकड़ के तरह-तरह की खबरों का आकार दे दिया जाता है।

एबीपी, 7 जुलाई 2021, कैबिनेट 2.0

ख़बर विवरण

बुलेटिन की शुरुआत में 1-29 तक कैबिनेट की उथल-पुथल पर चर्चा, इस्तीफ़े और सरकार पर गुस्सा। 30-34 में आने वाले चुनाव के लिए घमासान। 35-37 में महंगाई पर शहरों में आंदोलन। 38 में किसानों द्वारा महंगाई का प्रदर्शन। 39-41 कश्मीर परिसीमन विवाद पर चर्चा। 42 कार चोर पकड़ा गया। 43 में कोरोना के घटते मामलों की जानकारी दी गई। 44-46 तक देश के राज्यों की जानकारी दी। 47-49 तक देश में बढ़ती टीकाकरण की रफ़्तार। 50- ट्विटर मामलें पर सुनवाई। 51-52 में हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री का निधन। 53-60 अलग-अलग शहरों में बढ़ते वारदातों के मामलें। 61-65 बढ़ती हिमाचल में पर्यटकों की भीड़।

ख़बर विश्लेषण

मंत्रालय की उथल-पुथल में 1-29 तक ख़बरें मंत्रियों को समक्ष रख प्रस्तुत की गई है जिसमें मंत्रियों द्वारा दिए गए इस्तीफ़ा और सरकार पर उतरता गुस्सा देखा गया। सौ के आंकड़े में उनतीज़ ख़बरें मंत्रालय केंद्रित बना दी गई। उसके बाद आने वाले दिनों में पंजाब में चुनाव होने जा रहे है तो 30-34 तक की खबरों में चुनाव पर रणनीति बनाते दिखे। 35-37 देश में बढ़ती महंगाई को लेकर राज्यों में प्रदर्शन होते दिखे। 38 में किसानों ने भी महंगाई पर किया प्रदर्शन। 39-41 की खबरों में कश्मीर परिसीमन विवाद में चर्चा की गई। 42-44-46 देश के अलग-अलग राज्यों की घटनाओं पर आधारित थी। 47-48-49 कोरोना के टीकाकरण पर ख़बरें रखी गई। 50,51 यह ख़बरें सोशल मीडिया आधारित थी। 52 में हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री का निधन। 53-60 में अलग-अलग राज्यों की ख़बरों को प्राथमिकता दी गई। 61-65 में उत्तराखंड में पर्यटकों की बढ़ती भीड़, जैसे ख़बरों का आंकड़ा 65 पर आकर थम गया। ऐसे ही शीर्षकों को बदल कर समाचार परोसा जाता है।

ज़ी न्यूज़, 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

ख़बर विवरण

ज़ी न्यूज़ में "तमाम बड़ी ख़बरें नॉन स्टॉप न्यूज़" के नाम से जानी जाती है इसमें शतक बनाने की होड़ न लगाते हुए महत्वपूर्ण ख़बरों को प्राथमिकता दी गयी है जैसे- 21 जून को मुफ्त वैक्सीन की मुहीम चलाई गई सरकार द्वारा। इस खबर को विस्तार पूर्वक दिखाया गया तथा उसके बाद धर्मान्तरण की खबर दी गयी जिसमें बताया गया कि जामिया नगर का रहने वाला यह व्यक्ति मुख बधिर स्कूल के बच्चों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें मुस्लिम बनाता था। खबर में यह भी बताया गया की इसकी फंडिंग विदेश से भी की जा रही थी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से 21 जून की पहचान होने लगी है ठीक उसी प्रकार मोदी जी ने अपने सम्बोधन में बोला "योग से सहयोग" तथा आत्मबल का मन्त्र दिया। उसके बाद दिखाया गया की ITBP के जवानों ने 18000 फिट की ऊंचाई पर लद्दाख में योग किया।

ख़बर विश्लेषण

ज़ी न्यूज़ पर चलने वाला बुलेटिन "तमाम बड़ी ख़बरें नॉन स्टॉप न्यूज़" के नाम से जाना जाता है उसी प्रकार जी न्यूज़ में ख़बरों के अंको का कारवां न होते हुए समाचारों को महत्व देते हुए कोरोना के मुफ्त टीकाकरण की ख़बर को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया गया। कौन से राज्य में कितना टीकाकरण हो चुका है इसका भी उन्होंने उल्लेख किया। तत्पश्चात जामिया नगर के मौलवी का भंडाफोड़ किया गया कि किस प्रकार मुख बधिर स्कूल के बच्चों का धर्मान्तरण कराता था तथा इसके पीछे विदेशों से भी पैसा आता है ऐसा इस बुलेटिन में बताया गया। और योग

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

दिवस को केंद्रित करते हुए BJP द्वारा किए समारोह पर खबर प्रस्तुत की। मंत्रियों के द्वारा योग दिवस पर दिए गए बयान के बारे में बताया गया की "ॐ के उच्चारण से शक्ति बढ़ती है" इस प्रकार का बयान दिया गया। ITBP जवानों के द्वारा 18000 फिट पर योग दिवस मनाया गया। इस प्रकार इस बुलेटिन को प्रसारित किया गया। ख़बरों की संख्या न बढ़ाते हुए केवल मुख्य खबरों को समक्ष रखने का प्रयास किया गया है।

ज़ी न्यूज़ 7 जुलाई 2021, कैबिनेट 2.0

ख़बर विवरण

कैबिनेट 2.0 के पश्चात् मोदी जी द्वारा बोला गया की 15 अगस्त तक सभी नियुक्त मंत्रियों को दिल्ली में ही रहना होगा व रोस्टर के समय सभी मंत्रियों को पार्लियामेंट में रहना आवश्यक है तथा समय निकाल कर सभी मंत्री आपस में मिले। महत्वपूर्ण जो कैबिनेट 2.0 से निकल कर आई वह यह है की कार्यकाल की आयु घटा के 61 से 58 कर दी गई है, इस सरकार को सभी को ध्यान में रख कर निर्माण किया गया है जैसे OBC-27, SC-12 तथा ST-8 और अल्पसंख्यक से 5 उम्मीदवार चुने गए है। कैबिनेट में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

ख़बर विश्लेषण

कैबिनेट 2.0 की ख़बरों से बुलेटिन की शुरुआत हुई। मंत्रालय की उथल-पुथल के बाद मोदी सरकार ने एक बैठक लेकर मंत्रियों को समय निकाल कर मिलने की सलाह दी और 15 अगस्त तक सभी मंत्रियों को दिल्ली में ठहरना होगा। रोस्टर के समय सभी को संसद में रहना अनिवार्य है तथा मंत्रियों का कार्यकाल घटा कर 61 से 58 किया गया। संसद समिति में पहले के मुकाबले विविधता देखने को मिली। सभी को मंत्रालय में मौका दिया गया। इस प्रकार एक ही खबर को वर्णात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया। दृश्य और विषयवस्तु के आधार पर यदि बात करें तो दोनों में सामंजस्य देखने को भी मिला।

न्यूज़ 24, 21 जून 2021, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

ख़बर विवरण

न्यूज़ 24 में बुलेटिन को "न्यूज़ 100" के नाम से जाना जाता है ठीक उसी तरह योग दिवस के उपलक्ष में 1-39 ख़बरें योग आधारित रही। 40-43,62-65 तक ख़बरें कश्मीर दौरे पर रही। 44-46, 59-61 तक ख़बरें टीकाकरण पर केंद्रित थी। 47-52 में देश में बढ़ते लॉकडाउन को बताया गया। 66वी खबर मोदी कांफ्रेंस पर थी 67-74 तक देश के अलग-अलग शहरों में बारिश अलर्ट। 75-78 तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर थी। 79- ओलिंपिक में जाते दिखे खिलाड़ी। 80-81 सेंसेक्स गिरता नज़र आया। 82,84-90 यह ख़बरें ऑटोमोबाइल आधारित थी। 83 में भारतीयों के निवेश करने का तरीका बदला। 91-95 तक ख़बरें बॉलीवुड पर नज़र बनाई रखी। 96-100 अंतर्राष्ट्रीय ख़बरों का उल्लेख किया।

खबर विश्लेषण

न्यूज़ 24 पर बुलेटिन "न्यूज़ 100" के नाम से चलता है। योग दिवस के दिन ख़बरों की शुरुवात भी योग दिवस की ख़बरों से शुरू हुई। 1-39 तक की खबरों में योग को सम्बोधित किया। कौन से राज्यों में योग दिवस मनाया गया और किस के द्वारा मनाया गया। यह 39 ख़बरों में रखा गया। जबकि इन्ही समाचारों को 8-10 खबरों में पूर्ण किया जा सकता था परन्तु दृश्यों को सामान दिखाते हुए खबरों के रूप बदल-बदल कर प्रस्तुत किया गया। 40-43,62-65 में कश्मीर के परिसीमन विवाद को लेकर दौरा किया गया पर इस खबर को दो अलग भागों में बाँट कर जनता के समक्ष रखा गया। इसमें दृश्यों में भी समानता देखने को मिली। 53-58 तक की खबरों में देश के अलग-अलग राज्यों में कोरोना के घटते मामलों पर गौर किया गया। इसमें राज्यों का वर्णन किया इसलिए खबरों के अंक बढ़ते दिखे। 44-46,59-61 दोनों ही खबरों में कोरोना के टीकाकरण की बढ़ती रफ्तार को बयान किया कि देश में कहाँ-कहाँ टीके लगाए जा रहे हैं और कौन से शहरों में टीकों की कमी देखी जा रही है। 66-67 में मोदी सरकार द्वारा ली गयी कांफ्रेंस के बारें में बताया गया। 74वी खबर में शहरों में बारिश के अलर्ट को बताया गया। 75-78 में क्रिकेट आधारित खबरें थी कि कहाँ खेले जाने वाले हैं और आने वाले मैच और टीम का दौरा कहाँ से शुरू होगा।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

79 में ओलिंपिक को लेकर बात कही गई। 80-81 खबरों में सेंसेक्स पर नज़र बनाए रखे। 82,84-90 इन सभी खबरों में ऑटोमोबाइल को लेकर खबरें दी गयी। कौन सी नई वस्तुएं बाजार में नए फीचर के साथ आ रही है 83वी खबर में हिन्दुस्तानियों के बदलते निवेश के मूड को बताया गया। 91-95 में बॉलीवुड खबरों के बारें में दिखाया गया कि कौन से डेली एपिसोड की शूटिंग शुरू हो चुकी है और क्या नया आने वाला है। 96-100 पर अंतर्राष्ट्रीय खबरों में विदेश के विभिन्न शहरों की खबरें दी गई। इसी प्रकार खबरों को आधार बना कर और शीर्षक बदल कर 100 का आंकड़ा पूरा किया गया।

न्यूज़ 24, 7 जुलाई 2021, कैबिनेट 2.0

ख़बर विवरण

यह दिन कई मायनों में बड़ा रहा जैसे इतिहास कैबिनेट की उथल-पुथल के लिए गवाह है परन्तु सिनेमा के एक युग का भी अंत कहा जा सकता है, दिलीप कुमार जी ने इसी दिन अपनी आखिरी साँसे ली। 1-10 तक ख़बरें दिलीप जी पर आधारित रही। 11-16 तक मंत्रियों की नाराज़गी व इस्तेफे पर ख़बरें रही। 17- कश्मीर परिसीमन पर चर्चा हुई। 18-20 में कांग्रेस ने किये देश के अलग-अलग शहरों में महंगाई के प्रदर्शन। 21-23 कोरोना के घटते मामलें और साथ ही मृत्यु दर गिरती दिखी। 24-26 में बताया कोरोना के टीकाकरण से लाभ। 27- उत्तराखंड में बढ़ते सैलानी। 28- लखनऊ में बढ़ते मामलें देख सरकार ने लगाई धारा-144, 29-30 में यू.पी. में स्कूल खुलने को नितीश सरकार ने दी मंजूरी। 31- दिल्ली में बाजार खुलने को दी मंज़ूरी। 32-35 में अभी भी देश के कुछ शहरों में कोरोना के बढ़ते मामले देखे गए। 36-37 में बताया तेज प्रताप का स्वास्थ्य ख़राब। 38 में सरकार द्वारा DA में इजाफ़ा किया गया। 39 में डोगरा भोजन को बढ़ावा दिया जाने लगा। 40-41 में दलाई लामा के जन्मदिन के खबर। 42-56 में देश की अलग-अलग मुख्य खबर का उल्लेख किया गया। 57-58 में UP की ख़बरें दी गई। 59- देश की राजधानी में माँ-बेटे की हत्या। 60 में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बेटे की कार को टक्कर। शतक न पूरा करते हुए। इस बुलेटिन में 60 ही ख़बरें दी गई।

खबर विश्लेषण

न्यूज़ 24 के बुलेटिन को "न्यूज़ शतक" के नाम से भी जाना जाता है। शुरुआत की दस खबरें दिलीप कुमार को श्रद्धांजलि दी गई। अलग-अलग शहरों से उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उसके बाद संसद की उथल-पुथल को दिखाया गया जहां 11-16 तक की खबरें नियुक्त की गई मंत्रियों पर थी। 17वी खबर में परिसीमन विवाद को लेकर खबर दी गई।18-20 तक की खबरों में महंगाई को लेकर प्रदर्शन शहर में देखे गए। 21-23 तक कोरोना के बढ़ते मामलों को केंद्रित कर खबर दी गई। 24-26 तक की खबरों में कोरोना के टीके से होते बचाव को आधार बना कर खबर प्रस्तुत की गई। 27वी खबर में उत्तराखंड में बढ़ते पर्यटकों पर कोर्ट द्वारा जवाब माँगा गया। 28वी खबर में लखनऊ में लगी 144 के बारें में खबर आयी। 29-30 में उत्तर प्रदेश में सरकार द्वारा स्कूल खुलने पर मंजूरी दी गई। 31वी खबर में देश की राजधानी में अब बाजार खुलने को लेकर मंज़ूरी दी गई। 32-35,42-56,61,63-67,59,60 में देश के राज्यों में होती वारदातों की खबरों को अलग-अलग मायनों से जनता के समक्ष रखा गया। किसी में दृश्यों को बदल कर खबर दी गई तो किसी खबर को ऐसे ही परोसा गया। 38वी खबर में सरकारी कर्मचारियों के लिए DA बढ़ाया गया। 39वे समाचार में डोगरा भोजन को बढ़ावा दिया गया। इस पर समाचारों को निर्मित किया गया। 57-58 में खबरें उतर प्रदेश से संबंधित थी। 62वी खबर में होते ऑनलाइन फ्रॉड को दिखाया गया। 68-70 तक के समाचारों में BCCI को लेकर प्रस्तुत की गई। 71-72 में ओलंपिक्स में टोक्यो में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय खेलों का उल्लेख किया गया। 73 इसमें GST पर आधारित खबरें थी। 74 में इंडिगो की सेवाओं में विस्तार को आधार बना कर खबर को रखा गया। 75-76 में ऑटोमोबाइल को केंद्रित रखा। 77-90 तक में बॉलीवुड तड़के को प्रस्तुत किया गया कि किस प्रकार कोरोना के पश्चात बॉलीवुड में सेवाएं वापस लौटी। 91-100 तक की खबरों में विदेशी शहरों में घटती घटनाओं को दिखा कर आंकड़ा पूर्ण किया गया। ख़बरों में विविधता देखी गई परन्तु शहरों की खबरों में समानता देखी गई।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विश्लेषण:

प्रस्तुत शोध में पांच चैनलों को अध्ययन में सम्मिलित किया गया है- आजतक, ज़ी न्यूज़, एबीपी, इंडिया टीवी, न्यूज़ 24।

इसमें हमने आधार बिंदु विषयवस्तु और ग्राफ़िक प्रस्तुति लिया है इसके आधार पर यदि हम विषयवस्तु की चर्चा करें तो कुल मिलाकर ख़बरों का निचोड़ निकल कर आता है केवल आंकड़ा पूरा करने की होड़ बाजार में लगी है। बुलेटिन के अध्ययन में 35-40 ख़बरें सामने आती है पर हमें टीवी पर चलता आंकड़ा 100 दिख रहा होता है। वहीं ज़ी न्यूज़ की बात करें तो आंकड़े का नंबर न देते हुए ख़बरों को अपना लक्ष्य मान कर प्रस्तुत किया है किसी एक खबर को विभिन्न चरणों में विभक्त न करते नज़र आए। देश-दुनिया की ख़बरों को कम शब्दों में ज़्यादा परोसते हुए नज़र आए। ठीक उसी तरह आजतक के भी समाचार बुलेटिन के आंकड़े 80 पर आकर अंत हो जाता है परन्तु इसमें अंकों को महत्व देते हुए खबरों को कम आँका जाता है, उसी प्रकार एबीपी चैनल में भी ख़बरों को 60-65 के लगभग खत्म कर दिया जाता है। वहीं बात इंडिया टीवी और न्यूज़ 24 की करते हैं तो सबका मकसद उस शतक तक पहुंचने का अधिक दिखता है बहुत कम ख़बरों की गम्भीरता न्यूज़ बुलेटिन में देखने को मिलती है।

निष्कर्ष:

शतक समाचार बुलेटिन जो अलग-अलग न्यूज़ चैनल के नाम से अपनी पहचान बना बैठे है इसमें पांच चैनलों के शतक समाचार बुलेटिन का अध्ययन किया गया है जिसमें बुलेटिन की फटाफट सौ ख़बरें, शतक ख़बर आदि का अध्ययन शामिल है, जिसके आधार पर निम्न निष्कर्षों पर पहुंचते हैं-

- समाचार चैनलों में फटाफट सौ खबरें प्रसारित करने की धून में कई खबरों को बार-बार दिखाया जाता है, जो कि समाचार की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ी करती है।
- समाचार चैनलों में "शतक खबर/फटाफट सौ खबरें" जैसे शीर्षक केवल नाम के होते हैं क्योंकि इनमें 100 के आंकड़े कभी होते ही नहीं हैं।
- खबरों के अध्ययन में देखा गया कि शतक समाचारों में केवल 35-40 कुल ख़बरें ही पूर्ण की जाती है।
- शोध में यह भी पाया गया कि किसी बुलेटिन में खबरें 65 या 70 पर आकर थम जाती है तो उस बुलेटिन में मुख्य खबरें केवल 20-25 ही होती है।
- चैनलों द्वारा ख़बरों को महत्व न देते हुए अंको को महत्व दिया जाता है।
- जहां खबर को एक अंश में समाप्त किया जा सकता है वहीं चैनलों द्वारा उसे 7 से 8 अंशो में प्रस्तुत किया जाता है।
- खबरों तोड़-मरोड़ कर आंकड़े बढ़ाने कि होड में ये खबरें अपना मूल तत्व खो देती है।

सुझाव:

प्रस्तुत विषय- "समाचार चैनलों पर स्पीड न्यूज़ बुलेटिन का प्रस्तुतिकरण एवं प्रभाव" पर विभिन्न चैनलों को आधार बनाकर शोध को स्वरूप प्रदान किया गया है। शोध से प्राप्त तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते है-

- समाचार चैनल का लक्ष्य केवल शतक बनाना नहीं होना चाहिए।
- बुलेटिन में एक ही समाचार को बार-बार प्रसारित करने से वह बुलेटिन प्रभावकारी नहीं रह जाती है, अतः इसका ध्यान रखें कि बुलेटिन उबाऊ न हों।
- समाचार को प्रस्तुत करते समय दूसरे समाचारों के दृश्य को बार-बार दिखाया जाता है, जिससे समाचार की विश्वसनीयता पर संकट पैदा हो सकती है, इससे बचना चाहिए।
- अनावश्यक अंकों को न दिखाते हुए सीधा ख़बरों के दिखाए जाने से ख़बरों की गम्भीरता बढ़ेगी।

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- ग्राफ़िक प्रस्तुति के साथ बुलेटिन की रफ्तार में कमी लाने की आवश्यकता है जिससे श्रोताओं तक वह खबर स्पष्ट रूप से पहुंचे।
- समाचार चैनलों को यह ध्यान रखना चाहिए की समाचार का मूल अर्थ व्यर्थ नहीं होने पाए।

शोध रिपोर्ट:

1. https://www.mha.gov.in/sites/default/files/PR_MHAOrderDt14042020forextendingtheLockdownPeriodtill03052020_14042020.pdf
2. https://www.mha.gov.in/sites/default/files/PR_15042020RevisedConsolidatedGuidelinesfortheContainmentofCOVID19.pdf
3. https://www.mha.gov.in/sites/default/files/CoronaWarriors_04052020.pdf
4. https://www.mha.gov.in/sites/default/files/PR_UNLOCK1Guidelines_30052020.pdf
5. पी.सी. जोशी, कमेटी रिपोर्ट-1986, एन इंडियन पर्सनैलिटी फार इंडियन टेलीविजन।

सहायक संदर्भ:

https://www /flexiprep /com/NIOS-Notes/Senior-Secondary/Mass
तिवारी अर्जुन, संपूर्ण पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण, 2006.
सिंह देवव्रत, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली.
जोशी रामशरण, मीडिया मिथ और समाज, प्रकाशक- शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2008.
हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, संस्करण 2006.
https://www.youtube.com/watch?v=uGShOAxZkzA&t=20s
https://www.youtube.com/watch?v=QZrpjcDJspw
https://www.youtube.com/watch?v=dBjgdRkt4-s
पचौरी सुधीश दूरदर्शन विकास से बाजार तक, प्रकाशक- प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली 2000.
रॉबर्ट डब्ल्यू मैक्चेस्नी, इलेन मिकसिंस वुड, जॉन बेलेमी फॉस्टर (संपादक), राजेंद शर्मा (अनुवादक), पूंजीवाद और सूचना का युग, (भूमण्डलीय संचार क्रांति की राजनीतिक अर्थ व्यवस्था), प्रकाशक- ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2006.
मित्रा आनंद, टेलीविजन एंड पापुलर कल्चर इन इंडिया, प्रकाशक-सेज पब्लिकेशन, दिल्ली, 1993.
कश्यप श्याम एवं कुमार मुकेश खबरें विस्तार से, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
https://www.youtube.com/watch?v=JuRm1B4xJCA&t=12s
https://www.youtube.com/watch?v=sxR2OIHCw8M
विलियंस रेमण्ड, सत्यम वर्मा, प्रमोद झा (अनुवादक), संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, प्रकाशक- ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन, दिल्ली, 2000.
नोम चोम्सकी, जनमाध्यमों का मायालोक, प्रकाशक- ग्रंथ शिल्पी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली, 2006.
चतुर्वेदी जगदीश्वर, माध्यम साम्राज्यवाद, प्रकाशक- अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, प्रा.लि., नई दिल्ली, 2002.
सीन मैकब्राइड, मेनी वायसेज, वन वर्ल्ड, कम्युनिकेशन एंड सोसाइटी टुडे एंड टुमौरो, प्रकाशक- यूनेस्को, पेरिस, 1980.

वेबसाइट:

www. mediaresearch.com
www. indiantelevesion.com
https://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/14616700050028226
https://news.abplive.com/topic/speed-bulletin
https://journals.sagepub.com/doi/abs/10.1177/016344399021001007?journalCode=mcsa
https://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=3557544
https://www /davuniversity /org/images/files/studymaterial/History%20of%20AIR /pdf
https://www.bhaskar.com/
https://www.amarujala.com/
https://www.bbc.com/hindi/india-52143427
https://www.gisaid.org/
https://www.bbc.com/hindi/science-53127856

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

https://www.eklavya.in/magazine-activity/srote-magazine/609-srote-2020/srote-september-2020/3907-covid-19-virus-ek-sachitr-parichay
https://www.mha.gov.in/media/mha-press-releases
www. deloi4te.com/in
https://pk.mashable.com
https://qz.com/india

फोटो सन्दर्भ:

https://www.google.co.in/search?q=india+tv+khabren+fatafat&tbm=isch&ved
https://www.google.co.in/search?q=abp+news+khabren+fatafat&tbm=isch&ve
https://www.google.co.in/search?q=news24+khabren+fatafat&tbm=isch&ved=
https://www.google.co.in/search?q=aajtak+khabre+fatafat&hl=en&tbm=isch&
https://www.google.co.in/search?q=zee+news+&tbm=isch&ved=2ahUKEwj77

Copyright © 2021, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies